स्कूल रिपोर्ट - 2014-15

अक्सर रास्ता जो अख्तियार करते है,
वहीं मंजिलों को पार करते है
एक बार चलने का हौंसला तो रखिए,
ऐसे मुसाफिरों का रास्ते भी इंतजार करते है।

आज के इस समारोह की मुख्य अतिथि महोदया श्रीमती प्रेम लता सिंह जी, विधायक हल्का उचाना, विशिष्ट अतिथि श्री नौराता राम जी सिंगला, अंकुर स्कूल के अध्यक्ष जेसी के.सी. गुप्ता जी, भारतीय जेसीज के मंडल - 1 के अध्यक्ष जेसी विनोद गुप्ता जी एवम् निर्वतमान अध्यक्ष जेसी संजीव तायल जी, मंडल उपाध्यक्ष जेसी प्रशांत सिंगला जी, इस समारोह की अध्यक्षता कर रहे जीन्द सैन्ट्रल जेसीज के अध्यक्ष जेसी विरेन्द्र सिंगला जी, मंच पर विराजमान अन्य अधिकारीगण, शहर के गणमान्य नागरिक, दानवीर, जेसीज परिवार एवम् प्यारे बच्चों।

इस ट्रस्ट का गठन करने वाले आरम्भिक सदस्य भारतीय जेसीज के सदस्य है और वे जेसीज की आस्थाओं की छटी पंक्ति ''मानवता की सेवा ही जीवन का सर्वोत्तम कार्य है'' का अनुसरण करने वाले व्यक्ति है।

इन जेसीज साथियों ने मानवता के कल्याण के लिए एक अनोखे एवम् कठिन कार्य को करने का बीडा उठाया। जिसकी उत्पति 'अंकुर' मानसिक विकलांग शिक्षण संस्थान के रूप में हुई। जेसीज में कार्य करते हुए हमने पाया कि हम जो भी सामाजिक कार्य करते है उसका प्रत्यक्ष एवम् अप्रत्यक्ष तौर पर फायदा मानव व समाज को ही होता है और यह कार्य तो गऊशाला में की गई गाय की सेवा से भी बढ़कर किया गया सेवा कार्य है। क्योंकि इसमें ऐसे बच्चों की सेवा का कार्य है जो शत-प्रतिशत इस दुनिया के छल - कपट - भय - ईर्ष्या - बईमानी - धोखा एवम् अन्य विकारों से दूर भगवान के प्रतिरूप है, इसलिए इनकी सेवा का कार्य तो भगवान की सेवा ही है।

कार्य कठिन होते हुए भी 15 मई 2007 को सोमनाथ मनसा देवी मन्दिर के प्रांगण में हवन यज्ञ के द्वारा ''अंकुर'' मानसिक विकलांग शिक्षण संस्थान का शुभारम्भ एक बच्चे के साथ कर दिया गया। आज इस स्कूल में 75 बच्चें आप सभी का आर्शीवाद ग्रहण कर रहे है। ट्रस्ट द्वारा बच्चों के विकास के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। जिनका विवरण निम्न प्रकार से है -

1- स्कूल में ऐसे बच्चों को शिक्षित एवम् प्रशिक्षित करने के लिए अनुभवी स्टॉफ की सेवाएं।
2- बच्चों के मानसिक एवम् शारीरिक विकास के लिए फिजीयोथैरेपी हाल की सुविधा।
3- इन बच्चों के लिए खेलों की सुविधाएं उपलब्ध है।
4- बच्चों के मनोरंजन का भरपूर प्रबंध हैं।
5- बच्चों के लिए शिक्षण एवम् प्रशिक्षण का अच्छा माहौल प्रदान किया जाता है
6- बच्चों को घर से लाने एवम् ले जाने के लिए स्कूल बस की व्यवस्था है।

स्कूल के बच्चों का विकास -

अंकुर स्कूल के विद्यार्थी समय-समय पर होने वाली हर प्रकार की खेल, सांस्कृतिक एवम् शिक्षा से सम्बन्धित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते रहे है। इनमें इस स्कूल के बच्चों द्वारा अनेकों प्रतियोगिताएं जीती गई है। जिनमें से कुछ इस प्रकार है -

1- स्कूल से शिक्षण एवम् प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद दो बच्चे सामान्य स्कूल में दाखिला ले चुके है।
2- स्कूल के सोनू ने वर्ष 2010 में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिन्हें हरियाणा के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 14 नवम्बर 2010 को पानीपत में सम्मानित किया गया।
3- अमित नामक बच्चे को वर्ष 2011 में इसी प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा 14 नवम्बर 2011 को गुडगांव में प्रदान किया गया।
4- 26 जनवरी 2012 को गणतंत्र दिवस समारोह में इस स्कूल के बच्चों ने Action Song में द्वितीय पुरस्कार जीता और माननीय श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा इन्हें सम्मानित किया गया। इसके बाद हर वर्ष गणतंत्र दिवस पर इस स्कूल के बच्चों को डांस प्रतियोगिता में प्रथम या द्वितीय पुरस्कार मिलता रहा है।

5- स्कूल के एक विद्यार्थी ने फैंसी ड्रैंस प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

6- स्कूल के विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बहुत आगे है। जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण आप कई बार स्वयं देख चुके है।

7- स्कूल में आ रहे बच्चों का यहां के शिक्षण एवम् प्रशिक्षण से काफी मानसिक विकास हुआ है और 20 से 30 प्रतिशत तक लाभ हुआ है।

8- इस स्कूल के दो बच्चे स्पैशल ओलम्पिक की फुटबाल स्पर्धा में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मैडल विजेता टीम के सदस्य बनें।

9- ट्रस्ट द्वारा 10 मार्च, 2013 को अंकुर स्कूल में Distt. Speical Olympic Games आयोजित करवाएं गये, जिसमें लगभग 300 स्पेशल खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस वर्ष की योजनाएं -

बड़े गर्व के साथ आपको सूचित किया जा रहा है कि इस वर्ष ट्रस्ट द्वारा आप सभी के सहयोग से डी.एड. स्पैशल एजुकेशन यानि डिप्लोमा इन स्पैशल एजुकेशन इस सत्र 2015-16 से शुरू किया जा रहा है। इसके शुरू होने से जहां स्पैशल एजुकेटर की समस्या का समाधान होगा वहीं इस क्षेत्र के बच्चों को अपने भविष्य निर्माण का अवसर प्राप्त होगा। क्योंकि डी.एड. स्पैशल एजुकेशन को सरकार ने जे.बी.टी. का दर्जा प्रदान कर दिया है।

भविष्य की योजनाएं -

1- ट्रस्ट द्वारा स्पेशल एजुकेशन की बी.एड. एवम् एम.एड. प्रारंभ करना।

2- बच्चों के लिए वोकेशनल शिक्षा की शुरूआत करना

3- बच्चों के लिए होस्टल की सुविधा प्रदान करना

4- बच्चों को स्कूल लाने व लेजाने के लिए चार छोटी स्कूल बसों की सुविधा प्रदान करना। जिनके द्वारा शहर के 25 किलोमीटर तक के बच्चों को इस स्कूल की सुविधा दी जा सकें।

प्ररेणा स्त्रोत -

मन्दबुद्धि बच्चों की सेवा जैसा कार्य करने की प्ररेणा का स्त्रोत बना जेसलिट अंकुर। अंकुर के लिए जीन्द जिला में आवश्यक स्कूल ना होना ही जेसीज साथियों के लिए जेसलिट अंकुर प्ररेणा का स्त्रोत बन गया।

जेसलिट अंकुर के पिता व पूर्व अध्यक्ष जेसी रोशन गोयल ने स्वयं व परिवार के सहयोग से इस स्कूल के लिए 11,51,000/- रूपये का सहयोग दिया है। जेसी रोशन गोयल एवम् उनकी धर्मपत्नी जेसरिट अनिता गोयल व उनके बड़े भाई श्री मिट्ठन लाल गोयल इस स्कूल के ट्रस्टी है। जेसी रोशन गोयल स्कूल ट्रस्ट के वरिष्ठ उप-प्रधान पद पर आसीन् है।

स्कूल के सहयोगी -

1- 01 नवम्बर 2008 को राज्य के मुख्यमंत्री माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा जी द्वारा स्कूल को जमीन के साथ 11 लाख रूपये का अनुदान दिया।

2- तत्कालीन् शिक्षा मंत्री श्री मांगेराम जी गुप्ता द्वारा 11.00 लाख रूपये का अनुदान, लोक निर्माण एवम् परिवहन मंत्री श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी द्वारा 11.00 लाख रूपये का अनुदान, हल्का सोनीपत के पूर्व सासंद श्री जितेन्द्र मलिक जी द्वारा 21.00 लाख रूपये का अनुदान, राज्य सभा सांसद एवम् केन्द्रीय मंत्री चौधरी बिरेन्द्र सिंह जी द्वारा 5.00 लाख रूपये का अनुदान, जिला रैडक्रास जीन्द द्वारा स्कूल बस के लिए 8.50 लाख रूपये पूर्व मुख्य संसदीय सचिव राव दान सिंह जी द्वारा 5.00 लाख रूपये का अनुदान इस स्कूल को प्राप्त हो चुका है।

दानवीर :

1- ट्रस्ट के मुख्य सहयोगी श्री एच.पी.अग्रवाल जी जोकि अध्याय के पूर्व अध्यक्ष जेसी प्रवीण अग्रवाल जी के बड़े भाई है और स्वयं इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। इनके द्वारा 12.51 लाख रूपये का आर्थिक सहयोग स्कूल निर्माण हेतू दिया गया तथा इनके माध्यम से और भी इनके साथियों से लाखों रूपये का सहयोग स्कूल को मिल चुका है। ट्रस्ट उनका हृदय की गहराईयों से धन्यवाद करता है।

2- ट्रस्ट के दूसरे विशेष सहयोगी श्री जयप्रकाश जी गर्ग जिन्होंने इस ट्रस्ट को 6.51 लाख रूपये की सहयोग राशि प्रदान की है। वह स्वयं भी इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। ट्रस्ट उनका बहुत-बहुत आभारी है।

इस ट्रस्ट को 27 दानवीरों ने कमरे के लिए दान देकर अपनी कृपा दृष्टि इस ट्रस्ट पर की है व 28 दानवीरों ने जमीन व अन्य कार्यों के लिए दान देकर इस कार्य में अपना सहयोग दिया है। ट्रस्ट इन सभी दानवीरों का दिल से आभार व्यक्त करता है।

विशेष सहयोग -

इस ट्रस्ट को इस ऊँचाई तक पहुंचाने में सिढी का कार्य जिला जीन्द के तत्कालीन् उपायुक्त एवम् पर्वू आई.ए.एस. अधिकारी श्री युद्धवीर सिंह जी द्वारा किया गया। जिनके अभूतपूर्व सहयोग के कारण ही यह ट्रस्ट इतनी सफलताएं अर्जित कर सका है। इन्होंने ही अपने हाथों से ट्रस्ट को जिला रैडक्रास जीन्द से 8.50 लाख रूपये स्कूल बस के लिए राशि उपलब्ध करवाई थी। इनके प्रयासों से ही स्कूल को भवन बनाने हेतू यह जमीन प्राप्त हुई। आप स्वयं अपनी खून-पसीने की नेक कमाई में से एक कमरें का दान भी ट्रस्ट को दे चुके है। उनके संरक्षण में यह ट्रस्ट निश्चित तौर पर और भी बहुत आगे जायेगा। उनकी इस अभूतपर्वू सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। यह ट्रस्ट आपको नमन् करता है।

वित्तिय रिपोर्ट -

ट्रस्ट द्वारा अब तक स्कूल पर लगभग 4.00 करोड़ रूपये खर्च किए जा चुके है और लगभग इतनी ही धन राशि और व्यय होने का अनुमान है। स्कूल को जमीन की कीमत 70 लाख रूपये व ब्याज की देनदारी है। स्कूल को चलाने का खर्च लगभग 20 लाख रूपये प्रति वर्ष है।

विशेष अनुरोध -

इस स्कूल को चलाने के लिए लगभग 1.50 लाख रूपये प्रति माह की आवश्यकता होती है जोकि स्कूल के सदस्य इसका प्रबंध स्वयं के साधनों एवम दानवीरों के सहयोग से ही कर रहे है। स्कूल को चलाने के लिए सरकार से स्कूल खर्च की ग्रांट अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। शहर व बाहर के गणमान्य दानवीरों एवम् सदस्यों ने हमें दिल खोल कर सहयोग दिया है। इस स्कूल में अभी तक केवल जीन्द शहर के बच्चे ही पढ़ रहे है और हमारा प्रयास है कि हम जीन्द के 25 किलोमीटर तक के ऐसे स्पैशल बच्चों को इस स्कूल का हिस्सा बनाना चाहते है जिसके लिए ट्रस्ट को चार छोटी गाड़िया व अतिरिक्त धन की आवश्यकता है। अतः यह ट्रस्ट आपसे अनुरोध करता है कि आप पहले की तरह अपना आर्थिक सहयोग एवम् आर्शीवाद इस ट्रस्ट को प्रदान करते रहे।

गमों की आंख से आंसू निकाल कर देखों,
बनेंगे रंग किसी पर डाल कर देखों
तुम्हारे हृदय की चुभन कम होगी जरूर
किसी के पांव का कांटा निकाल कर देखो

धन्यवाद

जय हिन्द   जय जेसीज